विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

फ़रवरी 2024 माघ-फाल्गुन। विक्रमी सं. 2080

“परीक्षा पे चर्चा-2024” में विद्या भारती के छात्रों की भागीदारी

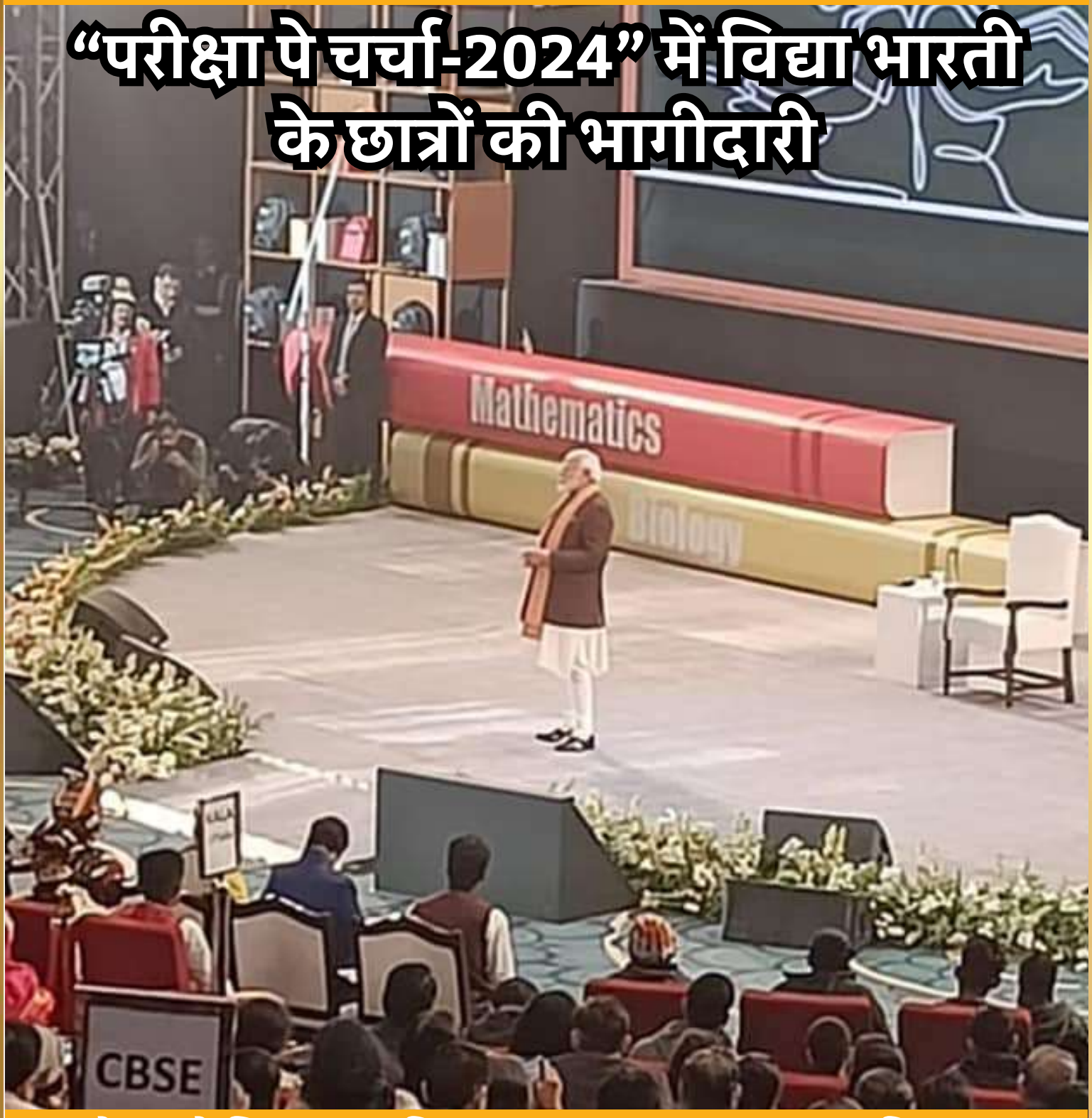

नोएडा में शिक्षा तथा विकास अध्ययन संस्थान का भूमि पूजन

सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय का भूमि पूजन

www.vidyabharti.net | www.vidyabharatisamvad.com

वैचारिक लेख

शिक्षा और सामाजिक संचेतना

शिक्षा के मूल दृष्टिकोण

साधारणतया शिक्षा के दो पक्ष/दृष्टिकोण होते हैं। प्रथम यह है कि शिक्षा प्रतिभा विकास की प्रक्रिया हैं, अर्न्तनिहित गुणों के प्राकट्य और संवर्धन की प्रक्रिया है। इस प्रकार बालक की अर्न्तनिहित प्रतिभा, प्रकृति एवं प्रवृत्ति के लिये प्रयास या प्रक्रिया शिक्षा का प्रथम और प्रमुख उद्देश्य है।

शिक्षा का दूसरा पक्ष है, उसकी पर्यावरणीय अथवा वातावरणीय अर्थात परिवेशीय अनुकूलता। शिक्षा ऐसी चाहिये जो बालक को अथवा व्यक्ति को अपने परिवेश के साथ अनुकूलता बनाने में सहायता करे और प्राप्त सीखों के द्वारा अपने परिवेश/पर्यावरण की सामाजिक आवयकताओं के साथ अनुकूलन हेतु व्यक्ति की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता बढ़े। यहाँ परिवेश अथवा पर्यावरण अपने व्यापक अर्थ में प्रयुक्त है। गाँव, शहर, समाज, देश यहाँ तक कि सम्पूर्ण वैश्विक परिस्थितियाँ इसके परिक्षेत्र में आती हैं। वातावरण के साथ समर्थ संगति (COMPATIBILITY) ही शिक्षा को सार्थकता प्रदान करती है, जिससे सामाजिक संचेतना आती है और समाज शिक्षा को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक ले जाने में सक्षम होता है। इस प्रकार जहाँ प्रथम पक्ष वैयक्तिक-शिक्षा अर्थात किसी व्यक्ति विशेष के आन्तरिक क्षमताओं के विकास के साथ उसके विचार, दिशानिर्देश, विषयवस्तु और सामाजिक आयामों के विकास और संवर्धन का कार्य निर्धारण करता है वहीं दूसरा पक्ष सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप सामाजिक मूल्यों/गुणों की निरन्तरता बनाये रखने हेतु जोर देता है। इस प्रकार यदि प्रथम पक्ष वैयक्तिक है तो दूसरा पक्ष सामाजिक संचेतना का। यहाँ शिक्षा के एक तीसरे पक्ष की भी संकल्पना की जा सकती है, जो इन दोनों पक्षों के मध्य संतुलन और सामंजस्य की बात करता है। शिक्षा ऐसी चाहिये जो समय-समय पर समाज की आवश्यकताओं, परिवर्तनों और विभिन्न सम्बद्ध क्षेत्रों सम्बन्धी ज्ञान का अनुश्रवण और आंकलन कर वैयक्तिक अर्न्तनिहित और अर्जितज्ञान के बीच एक समायोजन बैठाये।

अर्न्तनिहीत प्रतिभा के विकास की अनन्त संभावनायें है, किन्तु यह परिवेशीय उपयोगिताओं के उपयोग के अनुरूप चाहिये। तभी शिक्षा समुचित कहलायेगी। यदि कोई व्यक्ति स्वत: स्फूर्त धरातल के विध्वंस की शक्ति अर्जित करता है और उसी से आनन्दित होता है तो उसे समुचित शिक्षा (PROPER EDUCATION) नहीं कहा जा सकता। सही शिक्षा इसे स्वीकार नहीं करेगी और परिवेशीय प्रतिबद्धता के अनुसार ही स्वीकार्य होगी।

परिवेश-संगतता

यदि सामाजिक ज्ञान को गंगा और वैयक्तिक ज्ञान को यमुना कहें तो दोनों के संगम (CONFLUENCE) के उपरान्त बहने वाली अपेक्षाकृत संयत बहाव वाली धारा ही वास्तव में सरस्वती अर्थात शिक्षा/ज्ञान/विद्या है। ज्ञान का सतत् प्रवाह ही शिक्षा या सरस्वती है जो समय, परिवेश और विभिन्न सामाजिक अर्न्तविहित सामाजिक स्थितियों के साथ साम्य बैठाते हुये समवायी वैयक्तिक ज्ञान के सतत् प्रवाह को व्यवस्थित करती है। प्रवाहमान ज्ञान ही सही शिक्षा है अर्थात समय और परिस्थिति के अनुसार शास्वत सामाजिक मूल्यों के चतुर्दिक परिवर्तनशील ज्ञानार्जन शिक्षा को बलवती बनाता है। अपने सन्दर्भ में परिवेश-संगतता (ENVIRONMENT COMPATIBILITY) का तात्पर्य है।

- सम्पूर्ण विश्व के साथ सुसंगत रहते हुए आवश्यक विज्ञान और तकनीकी का विकास।
- पृथ्वी के साथ / परिवेश के साथ सुसंगत होने हेतु पेड़-पौधे और प्राणि समूह (FLORA AND FAUNA) की चिन्ता हो।
- समाज के साथ सुसंगत हेतु सामाजिक बुराइयों दहेज, शोषण, नशाखोरी, भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प चाहिये।
- शिक्षा पर दायित्व है कि वह अपना परिवेश गाँव, नगर तथा पास-पड़ौस अनिवार्य रूप से साफ-स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में सक्षम हो।
- शिक्षा को उत्पादकता वृद्धि मूलक और रोजगार परक होना होगा। ऐसा होने पर सामाजिक मूल्य स्वत: संरक्षित हो सकेंगे।

आगे पढ़ें...

एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि समुचित संवाद एंव सुग्राही संचार होना चाहिये। इसके लिये प्रारम्भिक ज्ञान अपनी भाषा में तथा प्रभावी व्यापार हेतु अन्यान्य भाषाओं का भी आवश्यक ज्ञान हो। यह देश की एकता, सहृदयता और संप्रभुता के लिये भी परम आवश्यक है। अत: उचित स्तर पर द्विभाषा, त्रिभाषा के अध्ययन अध्यापन की भी समुचित व्यवस्था हो।

प्रस्तुत आलेख को और उद्देश्यपूर्ण और प्रभावी तथा सारगर्भित बनाने हेतु हम कहना चाहेंगे कि शिक्षा समाज सेवा और समाज सुधार के लिये संकलित होनी चाहिये।

विद्यालयी छात्र-छात्राओं द्वारा सड़क और भवन निर्माण में प्रयुक्त हो रही खराब ईंटे, मिलावटी सीमेन्ट आदि का विरोध करने पर ठेकेदार द्वारा सुधार करना, सड़क के मेन होल के चारों और विद्यालय पूर्व व बाद में छात्राओं के 15-15 मिनट के धरने से उसका ठीक होना, समय-समय पर नशाखोरी और ड्रग्स के रोकथाम हेतु रैली निकालना, गाँव-गाँव, मोहल्लों में जाकर स्वच्छ जल पीने हेतु आग्रह और ब्लीचिंग पाउडर तथा लाल दवा (पोटेशियम परमेगनेट) बाँटना, साक्षरता अभियान में भाग लेना। ये उदाहरण है जो बताते है कि अपने छात्र समाज सेवा हेतु कितने उपयोगी हो सकते हैं इससे उनके अन्दर स्वत: स्फूर्त सेवा का भाव, चारित्रिक-सम्बल और दायित्व-बोध का बीजारोपण होगा।

अत: शिक्षा के साथ-साथ औपचारिक तथा अनौपचारिक रूप से ऐसे पाठ्यक्रम या पाठ्येत्तर गतिविधियाँ जोड़ी जानी चाहिये।

बालकों को इस प्रकार की प्रेरणाप्रद शिक्षा हेतु शिक्षकों को भी तैयार और तत्पर होना होगा। यही नहीं पुरानी पीढ़ी को भी रूढ़ियों को छोड़कर समय के साथ बदलने के लिये तैयार होना होगा।

बालक-बालिकाओं में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, घर परिवार, गाँव-नगर प्रदेश और देश के प्रति गर्व की भावना भरने का भरसक प्रयास किया जाना चाहिये। इस हेतु समुचित कार्यक्रम, गतिविधियाँ और देश-समाज की समस्याओं पर सम्मेलन-गोष्ठी तथा नाटिकायें आदि का समाहरण शिक्षा में होना चाहिये। स्वच्छता, स्वालम्बन के कार्य, कृषि कार्य, ग्राम दर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सामाजिक सरोकार के कार्यों हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए।

सभी बालक-बालिकाओं को अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण सैन्य अभ्यास, आत्मरक्षण, समाजसेवा, श्रमदान, स्काउटिंग तथा योग जैसे सामाजिक दायित्व के कार्य और कार्यक्रमों का शिक्षण रूचि अनुसार अनिवार्य होना हितकर होगा, जिससे सामाजिक सरोकार और सामाजिक संचेतना का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

पुलकेशी जानी की पुस्तक 'दादाजी नी वातो' को गुजरात साहित्य अकादमी पुरस्कार

गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर ने विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद के क्षेत्र संयोजक व गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के समाज और विकास अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पुलकेशी जानी की पुस्तक **'दादाजी नी वातो'** को श्रेष्ठ पुस्तक के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने पुरस्कृत किया तथा पारितोषिक प्रदान किया। डॉ. पुलकेशी जानी ने ग्रामीण समाज में न्याय कैसे होता था, इसकी मौखिक परंपरा में लोकप्रिय जीवन के संघर्षों और समस्याओं को सुलझाने के तरीके के रूप में अपने दादाजी से दर्ज लोककथाओं पर अध्ययन किया है। लोकगीत, समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य के विषय को स्पर्श करते हुए लोककथाओं के इस संग्रह को गुजराती लोकगीत के अरविंद बारोट, राजेश मकवाना, समाजशास्त्र के विद्वान विद्युत जोशी, गौरांग जानी और बहुविषयक क्षेत्र के सामाजिक कार्य के प्रोफेसर रमेश वाघानी ने सराहना की है। गुजरात साहित्य अकादमी ने इस प्रकाशन को शास्त्रीय और गुजराती ज्ञान परंपरा का सर्वोत्तम उदाहरण मानते हुए तीसरे पुरस्कार के लिए चुना है।

"परीक्षा पे चर्चा-2024" में विद्या भारती के छात्रों की भागीदारी

जीवन के हर क्षेत्र में, आपके पास नेता होने चाहिए। आध्यात्मिक जगत में शिक्षा, श्रम क्षेत्र में, कृषि क्षेत्र में, हमारे पास नेता होने चाहिए - नरेंद्र मोदी

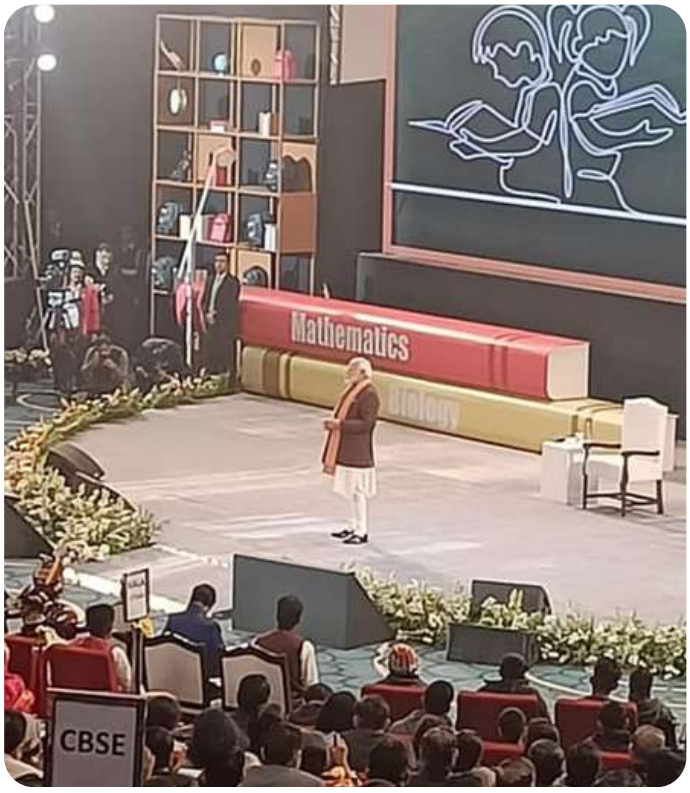

नई दिल्ली | हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ष बोर्ड परीक्षाओं से पहले आयोजित होने वाले 'परीक्षा पे चर्चा' के 7वें संस्करण के दौरान, 29 जनवरी 2024 को नई दिल्ली में नए उद्घाटन किए गए भारत मंडपम प्रगति मैदान में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। यह कार्यक्रम छात्रों को परीक्षा संबंधी तनाव से उबरने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

इस आयोजन में विद्या भारती दिल्ली प्रांत के विद्यालयों को एक अलग अनुभाग आवंटित किया गया है। 11 विद्यालयों को भाग लेने का अवसर मिला, जहां 90 छात्र और 11 शिक्षक इसका हिस्सा बने। इस प्रेरक आयोजन का समन्वयन कार्य जीएलटी सरस्वती बाल मंदिर नेहरू नगर, नई दिल्ली द्वारा किया गया। समाचार चैनलों द्वारा छात्रों का साक्षात्कार लिया गया। इस कार्यक्रम में कला एकीकरण, कौशल विकास, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत सहित कई परियोजनाओं पर चर्चा की गई।

पीपीसी श्री मोदी जी के छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और बड़े पैमाने पर समाज को एक साथ लाने के प्रयासों से प्रेरित एक आंदोलन है ताकि एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके जहां प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय व्यक्तित्व को प्रोत्साहित किया जाता है और स्वय को पूरी तरह से प्रकट करने की अनुमति दी जाती है।

इस वर्ष माता-पिता और शिक्षक भी अपनी चिंताओं को उठाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री से सीधे जुड़े। 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान छात्रों के साथ पीएम मोदी की बातचीत की 10 प्रमुख बातें:

पीपीसी के फोकस क्षेत्र

- बाहरी दबाव और तनाव
- प्रारंभिक चरण के दौरान लेखन पर ध्यान दें!
- छोटे लक्ष्य निर्धारित करें और धीरे-धीरे तैयारी करें!
- साथियों का दबाव और दोस्तों के बीच प्रतिस्पर्धा
- छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका
- परीक्षा के तनाव से निपटना
- कैरिअर की प्रगति
- माता-पिता की भूमिका
- अपने बच्चों की तुलना दूसरों से न करें!
- प्रौद्योगिकी का घुसपैठ

पीएम मोदी ने सुझाव दिया कि "खुद से प्रतिस्पर्धा करें, दूसरों से नहीं"

शिशुवाटिका की अखिल भारतीय परिषद बैठक, हरिद्वार

हरिद्वार | वार्षिक शिशुवाटिका अखिल भारतीय परिषद बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन 17-21 फरवरी 2024 तक सरस्वती शिशु मन्दिर, रानीपुर, हरिद्वार में किया गया। इस आयोजन में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महन्त, संयोजिका सुश्री आशा धानकी एवं सह संयोजक (श्री हुकुमचन्द मुवन्ता एवं श्रीमती नम्रता दत्त) तथा क्षेत्रीय संयोजक एवं सह संयोजक अपेक्षित थे। अपेक्षित 25 प्रतिभागियों में से 24 प्रतिभागी उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त विशेष आमंत्रित 4 सदस्यों में से 3 उपस्थित रहे। कुल संख्या 27 की रही।

बैठक की कार्यवाही का पठन श्री हुकुमचन्द मुवन्ता द्वारा किया गया। सुश्री आशा थानकी ने परिषद बैठक एवं प्रशिक्षण की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि प्रतिवर्ष यह परिषद 5 दिनों के लिए बैठती है। 2004-05 से 2024 तक की इस यात्रा में पीढी बदल गई लेकिन मूल्य और परम्परायें स्थिर है। इस स्थिरता के लिए शिशुवाटिका में शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध एवं प्रकाशन चारों क्षेत्रों में कार्य किया है। अ.भा. प्रशिक्षण केन्द्र, गांधीधाम गुजरात से देशभर में शिशु वाटिका अर्थात् शिशु शिक्षा की भारतीय शिक्षण पद्धति/अनौपचारिक शिक्षा का वातावरण बन रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारम्भिक बाल्यावस्था की शिक्षा में हमारी विचारधारा को स्वीकारा है। इस नाते अब हम न केवल अपने विद्यालय के शिक्षक/ प्रशिक्षक है बल्कि हमें राष्ट्र शिक्षक/प्रशिक्षक बनकर उभरना है।

विभिन्न परिपेक्ष्य में क्षेत्रीय वृत्तों की प्रस्तुति, तुलनात्मक चिन्तन एवं चर्चा हुई। प्रशिक्षण में 2 महत्वपूर्ण सैद्धांतिक विषयों पर चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी गुजरात के पूर्व नियामक श्री दिव्याणु जी दवे द्वारा प्रकाश डाला गया- 1.भारतीय जीवन दर्शन और 2. पंचपदी शिक्षण पद्धति।

भारत का जीवन दर्शन आध्यात्मिक है। इसीलिए भारत में शिक्षा का अर्थ ही मुक्ति है। भारत की भौगौलिक संरचना ही स्वयं में आध्यात्मिता का कारक है, तभी तो यह देव भूमि कहलाती है। अतः भारतीय जीवन की इस आध्यात्मिकता को समझने के लिए इसकी भौगोलिक संरचना की अनुभूति करनी होगी और जीवन की अखण्डता, निरन्तरता और चक्रीयता को समझना होगा।

पंचपदी शिक्षण पद्धति में अपने वैशिष्टय के कारण ही भारत विश्व गुरु कहलाया। पाश्चात्यकरण के साथ साथ शिक्षक प्रशिक्षण में हरबर्ट की शिक्षण पद्धति का चलन आया। यह शिक्षण पद्धति की सामग्री पर केंद्रित है। अत यह इतनी प्रभावी नहीं। शिक्षा का केन्द्र बिन्दु छात्र है। अत शिक्षण पद्धति भी छात्र केन्द्रित (पंचकोशात्मक) ही होनी चाहिए। पंचपदी शिक्षण पद्धति के पद छात्र केन्द्रित है जो शिक्षा के मूल तत्व (शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान एवं तंत्रिका तंत्र) से संबद्ध है। विस्तार से इन सभी विषयों पर क्रमशः 2-2 कालांशों में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

पंचपदी के इस गहन विषय को सुनने उत्तराखण्ड के शिक्षामंत्री डा. धनसिंह रावत जी तथा प्राथमिक / माध्यमिक के शिक्षा अधिकारी भी दोनों कालांश में पूर्ण समय उपस्थित रहे। श्री धनसिंह जी ने उत्तराखण्ड शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विद्या भारती के सहयोग एवं मार्गदर्शन की सराहना की।

देश में शिशुवाटिका में मातृभाषा के प्रयोग की स्थिति की जानकारी अभा संगठन मंत्री वाटिका प्रभारी श्री गोबिन्द महंत ने चर्चा की। भारतीयता को आधार बनाने के लिए शिशुवाटिका की आन्तरिक एवं बाह्य स्वरूप पर सुश्री आशा दीदी ने चर्चा के आधार पर बिन्दू निर्धारित किए। आचार्य प्रशिक्षण एवं अभिभावक प्रशिक्षण पर क्रमशः भुवन्ता जी एवं नम्रता जी ने चर्चा की। वाटिका के क्रियाकलापों का प्रत्यक्ष दर्शन एवं समीक्षा, शिशुवाटिका अभ्यासक्रम तथा आनन्द पुस्तक पर सुझाव लिए गए। समय पत्रक एवं दैनन्दिनी निर्माण (द्वारा चालीसा बेन, पश्चिम मध्य क्षेत्र) सीखाया गया। फाउडेशनल स्टेज (5+) के विषय पर श्री भरत भाई डोकई (मार्गदर्शक समर्थ भारत प्रकल्प) ने मार्गदर्शन दिया।

श्री गोबिन्द महंत के मार्गदर्शन एवं पू. वेदानन्द मृगु आश्रम के आशीर्वचन के उपरान्त वन्दे मातरम् के गायन के साथ बैठक समाप्त हुई। बैठक की सराहनीय व्यवस्था के लिए विद्यालय परिवार के साथ-साथ प्रांत संगठन मंत्री श्री भुवन जी श्री विजय एवं श्री विनोद का विशेष योगदान रहा।

जोधपुर में तैयार होंगे सेना के अधिकारी और खिलाड़ी, 9वीं से NDA की तैयारी

परीक्षा और साक्षात्कार से होगा प्रवेश, 101 करोड़ रुपए से तैयार होंगी सुविधाएं

जी प्लस 3 के 4 ब्लॉक, जी प्लस 2 का 1 और जी प्लस 1 के बनेंगे 6 ब्लॉक

जोधपुर । विद्या संकुल लाल सागर में प्रवेश के लिए संस्थान रूपरेखा तैयार करने में जुट गया है। यहां प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को परीक्षा और साक्षात्कार आदि से गुजरना होगा। शिक्षण चार्ज भी सामान्य रखा जाएगा, जिससे देशभर के विद्यार्थी यहां अध्ययन कर सकें। यहां जी प्लस 3 (ग्राउंड फ्लोर तीन मंजिल) के चार ब्लॉक, जी प्लस 2 का एक और अन्य में जी प्लस 1 के 6 ब्लॉक विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही भारत माता का मंदिर, पाथ-वे व पार्किंग आदि भी बनाई जाएगी।

देश की सेना में संस्कारित और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत युवाओं को जाने की प्रेरणा देने के लिए संस्थान का निर्माण किया जा रहा है। यहां एनडीए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाएगी।

विद्या संकुल प्रोजेक्ट लाल सागर के अध्यक्ष निर्मल गहलोत ने कहा कि पश्चिम राजस्थान के बच्चे सेना में अफसर कम बन पा रहे हैं। ये प्रोजेक्ट अच्छे अफसरों के साथ खिलाड़ी भी तैयार करेगा।

विद्या संकुल प्रोजेक्ट लाल सागर के सचिव श्री शम्भू सिंह चारण ने बताया कि प्रतिभावान बच्चों की अतिरिक्त कक्षाएं छात्रावास में चलाई जाएंगी। यहां विशेषज्ञ शिक्षक बच्चों को एनडीए की तैयारी कराएंगे। विद्या संकुल प्रोजेक्ट के सदस्य श्री देवेंद्र ने बताया कि प्रोजेक्ट 10 माह में पूरा होगा और 10 बीघा से ज्यादा भूमि पर निर्माण हो रहा है। सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा जो एनडीए की तैयारी करा सकें।

अनुसंधान केंद्र

अनुसंधान कार्यों के लिए आधुनिक केंद्र बनाया जाएगा, जो युवाओं को अनुसंधानात्मक मार्गदर्शन देगा।

खेल केंद्र

संस्थान में एथलेटिक्स, कुश्ती, जूडो, कबड्डी, खो-खो, तैराकी आदि के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान बनाए जाएंगे जहां अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जाएंगे।

आराधना केंद्र

भारत और भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने कला दर्शनीय केंद्र बनेगा। इसे देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिहाज से तैयार किया जाएगा।

प्रतिभा विकास केंद्र

प्रशासनिक, प्रौद्योगिकी सूचना तकनीक की विशेष प्रतिभाओं को तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला व वास्तुकला के लिए कला विकास केंद्र बनाया जाएगा।

कौशल विकास केंद्र

पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, यहां हाथ का हुनर सिखाया जाएगा जिससे आगे चलकर प्रशिक्षणार्थी आर्थिक विकास में योगदान दे सकें।

व्यावसायिक शिक्षा केंद्र

आईटीआई, पॉलीटेक्निक कॉलेज के माध्यम से स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाएगी।

आचार्य प्रशिक्षण केंद्र

विद्या भारती के आचार्यों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र तैयार किया जाएगा। यहां अध्ययनरत बच्चों के लिए समयानुकूल व सर्वसुविधा संपन्न छात्रावास बनाया जाएगा।

नोएडा में शिक्षा तथा विकास अध्ययन संस्थान का भूमि पूजन

उच्च शिक्षा में 'स्व' आधारित व्यवस्था तैयार करें- डॉ. कृष्ण गोपाल

भारत के विरुद्ध दुष्प्रचार का तर्कों व तथ्यों के साथ प्रत्युत्तर दें

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संसाधन एवं शोध केंद्र 'शिक्षा तथा विकास अध्ययन संस्थान' का भूमि पूजन सेक्टर-145 नोएडा में 14 फरवरी 2024 को किया। डा. कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान का भूमि पूजन केवल सामान्य भूमि पूजन नही है, यह भारत की उच्च शिक्षा में स्व के बोध की आधारशिला है जो भविष्य में उच्च शिक्षा की दिशा तय करेगी।

डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने उच्च शिक्षा में 'स्व' आधारित व्यवस्था को तैयार करने, शोध आधारित सत्य को सामने लाने एवं विदेशी बुद्धिजीवियों द्वारा भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे दुष्प्रचार का तर्कों व तथ्यों के साथ प्रत्युत्तर देने के लिए गहन शोध हेतु राष्ट्रीय सोच वाले बुद्धिजीवियों को आगे आने का आह्वान किया। आज के युवा को स्व का बोध नहीं है। उसको पता नहीं है कि हम क्या थे, हमारा इतिहास कितना गौरवमयी व वैज्ञानिक था और यह सब सुनियोजित ढंग से किया गया। यहां के युवाओं के मन में अपने ही देश की बातों के लिए हीनभावना पैदा की गई। जैसे संस्कृत के बारे में प्रचारित किया गया कि संस्कृत एक मृत भाषा है, उसका कोई भविष्य नहीं है। डा. कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि केवल लंबी चौड़ी रोड और कंपनी बनने से देश का विकास नहीं होगा, भारत का विकास शिक्षा से होगा।

आने वाली पीढ़ी को सभी विषयों की शिक्षा के साथ संस्कार भी देंने होंगे। हम सबको पढ़ाया गया है कि सर्जरी विदेश की खोज है और आज विदेशी शिक्षा पद्धति से भारत में शिक्षा दी जाती है पर यह सभी पद्धतियां भारत की हैं। हमको शल्य चिकित्सा के जनक सुश्रुत के बारे में नहीं बताया गया है। सुश्रुत ने विश्व की पहली सर्जरी की थी। हमारे देश की पांडुलिपियों में बहुत कुछ छिपा है पर कोई पढना नहीं चाहता है जबकि विदेशी इस पर शोध कर रहे हैं। संस्थान के मंत्री प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो भौतिक उन्नति के साथ धर्म आधारित हो। भारत की सारी ज्ञान व्यवस्था धर्मशास्त्र, संस्कृत, पूजा पद्धति और दर्शन की बात भी करती है, यही भारतीय ज्ञान व्यवस्था का रूप है।

स्थान के अध्यक्ष प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने एवं शोध हेतु समाज पोषित एक स्वतंत्र शोध संस्थान की आवश्यकता जताई। संस्थान के कोषाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत शर्मा ने सपत्नीक भूमि पूजन में सहभागिता की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय, संगठन के उपाध्यक्ष श्री प्रकाश, संगठन महामंत्री श्री के. एन. रघुनंद, इग्नू की प्रोवीसी प्रो. किरण हजारिका, प्रेरणा शोध संस्थान के अध्यक्ष श्री मधुसूदन दादू, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर, भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री श्री वी. सतीश आदि उपस्थित रहे। संचालन विद्या भारती उच्च शिक्षा के राष्ट्रीय मंत्री प्रो. अखिलेश मिश्र ने किया।

सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय का भूमि पूजन

शिक्षा से पुरुषार्थी और समाज निर्माण में योगदान देने वाली पीढ़ी का निर्माण होना चाहिए : श्री सुरेश सोनी

"शिक्षा के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहा विद्या भारती" : श्री शिवराज चौहान

भोपाल। (5 फरवरी 2024) बुधनी में विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा 'सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय' का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नवीन प्रकल्प की सभी को बधाई दी।

मानवता के हित के कार्य शिक्षा के द्वारा होने चाहिए। भारत ने युगों युगों से विश्व को यही मार्गदर्शन दिया है। अब फिर समय आ रहा है कि भारत विश्व का मार्गदर्शन करे। विद्या भारती भी इस दिशा में कार्य कर रही है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी ने कही। वे विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के 'सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय' के भूमिपूजन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

समारोह में महामंडलेश्वर अनंत विभूषित श्री ईश्वरानंद ब्रह्मचारी (महर्षि उत्तम स्वामी) का पावन सान्निध्य रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। आयोजन के विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, विद्या भारती के अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री श्री श्रीराम अरावकर, नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के प्रबंध संचालक श्री आशीष कुमार चौहान एवं एनएचडीसी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री विजय कुमार सिन्हा थे।

श्री सोनी ने कहा कि आज मनुष्य के परिवेश का बहुत विकास हो रहा है पर मनुष्य स्वयं पिछड़ता जा रहा है। विश्व में साक्षरता तो बढ़ रही है लेकिन मनुष्य में मौलिक कमी आ रही है। इसे पूरा करना आवश्यक है नहीं तो मानव जाति का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी कनेक्ट कर सकती है लेकिन रिलेट नहीं कर सकती। मनुष्य का ज्ञान, तकनीकी कौशल तो बढ़ना चाहिए पर उसके अंदर विश्व बंधुत्व और मानवता का भाव भी पूर्ण होना चाहिए। यही भारत का आध्यात्मिक अनुष्ठान है जिस पर विद्या भारती प्रारंभ से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा से पुरुषार्थी और समाज निर्माण में योगदान देने वाली पीढ़ी का निर्माण होना चाहिए। एक ऐसी पीढ़ी जिसमें सामाजिकता, राष्ट्रीयता, संपूर्ण सृष्टि के हित का विचार हो, इस दिशा में विद्या भारती कार्य कर रही है। सैनिक विद्यालय का यह प्रकल्प इस दिशा में कार्य करेगा। वर्तमान समय में विद्या भारती के शैक्षिक जगत में योगदान को रेखांकित करते हुए श्री सोनी ने कहा कि विद्या भारती ने प्रारंभ से ही अपना लक्ष्य रखा है कि मनुष्य का पंचकोशात्मक विकास होना चाहिए और विद्या भारती ने इस मॉडल को विकसित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार हुई है जिससे आने वाले 10 वर्षों में बहुत परिवर्तन आने वाला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्माण में विद्या भारती का बड़ा योगदान है। विद्या भारती अपने विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है ...

आगे पढ़ें...

कि विद्या भारती ने इस प्रकल्प का नाम सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर रखा है। उनके जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। सुशासन के पक्षधर सम्राट विक्रमादित्य ने प्रत्येक क्षेत्र में कार्य किया था। विद्या भारती ने पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह गौरव की बात है कि इस सैनिक विद्यालय से निकालकर विद्यार्थी राष्ट्र की रक्षा और सेवा करेंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा की विद्या भारती देश और समाज के लिए ऐसे नागरिकों का निर्माण कर रही है जो विश्व को शांति का अधिक दिग्दर्शन कराएंगे। सैनिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने से विद्यार्थियों को सेना में बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन महामंत्री श्री श्रीराम अरावकर ने कहा कि विद्या भारती का प्रथम विद्यालय 1952 में प्रारंभ हुआ था। इसके बाद देश भर में विद्या भारती के 12000 से अधिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं। विद्या भारती के विद्यालयों की विशेषता है कि वह भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया के प्रबंध संचालक श्री आशीष कुमार चौहान ने कहा कि इस विद्यालय से भविष्य में बहुत सारे सैनिक, सैन्य अधिकारी, उद्योगपति और समाजसेवी निकलेंगे। एन एस ई मध्य प्रदेश के विकास के लिए यथासंभव सहायता करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री उत्तम स्वामी जी ने कहा कि देश की सेवा करते जो प्राणी उछावर कर दे परमात्मा खुद उसके पास चलकर आता है।

हमारे शास्त्रों में देश सेवा को सबसे बड़ा पुण्य बताया गया है। एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि एनएचडीसी के लिए यह समाज के लिए सहयोग करने का अवसर है। यह विद्यालय अपने आप में अनूठा होगा।

1200 विद्यार्थी करेंगे अध्ययन

- **शिक्षा के साथ सैन्य कौशल भी सीखेंगे विद्यार्थी**

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा प्रदेश के सीहोर जिले की बुदनी तहसील के ग्राम बगवाड़ा में 'सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय' का निर्माण किया जा रहा है। परिसर में आधुनिक शिक्षा की सुविधा, सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध रहेंगीं। नर्मदा नदी एवं नेशनल हाईवे-46 के पास वन एवं पर्वत श्रृंखलाओं से घिरे इस स्थान पर भारतीय सेना के कौशल और संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान की जाएगी।

- **हॉर्स राइडिंग ट्रैक, शूटिंग रेंज भी बनेगी**

इस भवन की नींव नवग्रह विधान, वास्तु पुरुष एवं अन्य सांस्कृतिक मूल्यों पर रखी जा रही है l परिसर में शैक्षणिक खंड, रेसीडेंशियल खंड, ऑडिटोरियम खंड, स्विमिंग पूल, हॉकी मैदान, हॉर्स राइडिंग ट्रैक, एथलेटिक ट्रैक, शूटिंग रेंज सहित अन्य खेलों एवं साहसिक गतिविधियों के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण की सुविधा रहेगी।

- **40 एकड़ में होगा विद्यालय परिसर**

सम्राट विक्रमादित्य सैनिक विद्यालय का परिसर लगभग 40 एकड़ का होगा। इसमें 800 छात्र और 400 छात्राओं के अध्यन की सुविधा रहेगी। विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग आवासीय परिसर बनेंगे। विद्यालय में डे बोर्डिंग की सुविधा भी रहेगी। विद्यालय का मुख्य भवन 24500 वर्ग मीटर में बनाया जाएगा। इसके साथ ही स्पोर्ट्स ग्राउंड, एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी मैदान, घुड़सवारी का मैदान, स्विमिंग पूल एवं शूटिंग रेंज भी बनाई जाएगी।

- **विशाल ऑडिटोरियम बनेगा**

परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभाग्रह बनाया जाएगा। वहीं प्राकृतिक दृश्यों के बीच कक्षाएं विद्यार्थियों के भीतर रचनात्मक जागने के लिए कला और शिल्प की कक्षा के लिए कक्ष होंगे।

प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन

अधिकार के साथ कर्तव्यबोध का भाव विकसित करें- रवि शंकर जी

सिवान। लोक शिक्षा समिति उत्तर बिहार द्वारा संचालित विद्या भारती के विद्यालयों का चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रवि शंकर जी ने कहा कि मैं से हम की यात्रा ही विद्या भारती है। प्रांत प्रचारक रवि शंकर जी ने कहा कि सफलता का मूल मंत्र स्व अनुशासन है। स्व अनुशासन व्यक्ति को "मैं से हम" की ओर ले जाता है। हमें अपने मन, वचन एवं कर्मों में समन्वय बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। भगवान राम के चरित्र को ध्यान में रखकर हमारी नेतृत्व क्षमता में विकास होना चाहिए। हमारे अंदर अधिकार के साथ कर्तव्य बोध का भाव विकसित होना चाहिए। संघ के शताब्दी वर्ष में स्व के आधार पर भारत को गौरवशाली राष्ट्र बनाएंगे।

सिवान की सांसद कविता सिंह ने प्रधानाचार्यो से दृढ़ इच्छाशक्ति और अटल संकल्प लेने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे ही राष्ट्र परम वैभव को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शरद चौधरी, प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, प्रदेश मंत्री डॉ. सुबोध कुमार, महावीरी विजयहाता के सचिव ओमप्रकाश दुबे, कोषाध्यक्ष पारसनाथ सिंह, प्रधानाचार्य शम्भू शरण तिवारी, ललित कुमार राय, विद्या भारती के क्षेत्र सह प्रचार प्रमुख नवीन सिंह परमार, लोक शिक्षा समिति के कार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर सत्यनारायण प्रसाद, अंकेश कुमार, संघ के विभाग प्रचारक रौशन राणा, विभाग कार्यवाह प्रभात रंजन, पूर्णकालिक कार्यकर्ता राजेश कुमार रंजन, धरणीकांत पाण्डेय, रमेश चंद्र शुक्ल, अनिल राम, प्रमोद कुमार ठाकुर आदि उपस्थित रहे। सम्मेलन में 176 प्रांतीय प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर औरंगाबाद का उद्घाटन

औरंगाबाद। महाराणा प्रताप नगर न्यू एरिया में सरस्वती बालिका विद्या मंदिर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक उत्तर-पूर्व क्षेत्र श्री रामनवमी प्रसाद, भारतीय शिक्षा समिति बिहार प्रदेश के सचिव श्री प्रदीप कुशवाहा, रोहतास विभाग के विभाग निरीक्षक श्री उमाशंकर पौदार, विद्या भारती शिशु मंदिर के अध्यक्ष डा. शिवपूजन सिंह, नगर परिषद के चेयरमैन श्री उदय कुमार गुप्ता, रेडक्रास के चेयरमैन श्री सतीश कुमार सिंह, सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य श्री आशुतोष कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संपर्क प्रमुख श्री अनिल कुमार सिंह, प्रांत प्रचारक श्री उमेश रंजन आदि उपस्थित रहे।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए 'डोनेट योर साइकिल' अभियान

अकोला। अकोला विद्या भारती संस्था ने जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए 'डोनेट योर साइकिल' अभियान चलाया। दानकर्ता पूर्वनिर्धारित साइकिल दान केंद्र पर जाकर साइकिल दान कर सकते हैं। इन साइकिलों की आवश्यतानुसार मरम्मत की जाती है और इसके बाद जरूरतमंद बच्चों को सौंप दिया जाता है जिससे वे घर से आसानी से विद्यालय तक आ सकें।

समरसता सम्मेलन

संस्कार केंद्रों की समिति का सक्रिय होना जरूरीः शिवप्रसाद जी

राजस्थान | आदर्श शिक्षण संस्थान ने रतनगढ़ रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर में जिला समरसता सम्मेलन का आयोजन किया। विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री शिवप्रसाद शर्मा ने कहा कि संस्कार केंद्रों के प्रभावी व परिणामकारी संचालन के लिए केंद्र की समिति का सक्रिय होना बहुत महत्वपूर्ण है। समिति सदस्यों को समय-समय पर संस्कार केंद्रों की देखभाल और बस्ती के लोगों से वार्तालाप करते रहना चाहिए। बीदासर के नेमसुख धाम के श्री महंत नरेंद्र परमहंस ने सनातन संस्कृति पर प्रकाश डाला।

राजकीय बागला बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचर्या श्रीमती निर्मला गहलोत ने बालक के विकास में माता की भूमिका को स्पष्ट किया।

जिलाध्यक्ष मदनलाल प्रजापत की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में जिला संस्कार केंद्र प्रमुख श्री मनीष बेदी ने बताया कि जिले में संचालित संस्कार केंद्र समिति के संरक्षक, अध्यक्ष, सचिव, व्यवस्थापक, चालक और पालक सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर क्षेत्रीय सह संस्कार केंद्र प्रमुख महीपाल प्रजापत, चुरू संस्कार केंद्र संरक्षक श्रीकृष्ण सारस्वत, आदर्श शिक्षण संस्थान के कोषाध्यक्ष बनवारी लाल वर्मा, व्यवस्थापक ओमप्रकाश गुंसाई, विक्रम नाथावत, प्रभुदयाल प्रजापत आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बालिका प्राथमिक विद्यालय प्रभारी सुमन शर्मा ने किया।

क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक

अगरतला।(24 फरवरी 2024) विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र, त्रिपुरा प्रान्त के गांधीग्राम, अगरतला स्थित त्रिपुरेश्वरी विद्या मंदिर में दो दिवसीय क्षेत्र कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव, त्रिपुरा माध्यमिक शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष डॉ. धनंजय जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कासगंज के डांगा विद्यालय के प्रधानाचार्य भूपेंद्र कुमार को 'मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार'

कासगंज | प्रदेश सरकार ने अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार वर्ष 2023 की सूची जारी, जिसमें अलीगढ़ मंडल में कासगंज के श्री सूरज प्रसाद डांगा सरस्वती कॉलेज इंटर के प्रधानाचार्य श्री भूपेंद्र कुमार सिंह को 'मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार' के लिए चयनित किया गया है।

शिक्षक श्री भूपेंद्र कुमार सिंह डांगा विद्यालय में 1 अप्रैल 2017 से प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें यह पुरस्कार अच्छे शैक्षणिक कार्य, नवाचार एवं प्रतिभाओं को निखारने के लिए दिया जा रहा है। वह मूल रूप से अलीगढ़ जनपद के गांव लोसर के रहने वाले हैं।

बसंत पंचमी पूजन 2024

क्षेत्रीय पूर्णकालिक वर्ग, पूर्व क्षेत्र

सिक्किम | वर्ग मे पूर्णकालिक कार्यकर्ता, प्रवास, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर आदर्श पाठ योजना, कक्षा मे पढाने का तरीका, वन्दना, प्रार्थना का अभ्यास एवं इसका अर्थ, वन्देमातरम का अभ्यास, कार्यकर्ता निर्माण एवं नियोजन (पूर्णकालीक, समयदानी एवं प्रधानाचार्य), प्रात: स्रोत का अर्थ के साथ अभ्यास,आधारभूत विषय का क्रियान्वयन, चार आयाम, संवेदनशील क्षेत्र मे विस्तार व सेवा कार्य, शारीरिक कालांश 10 एवं बौद्धिक, गटश: चर्चा मिलाकर 26 कालांश मे इन विषय की चर्चा हुई।

राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह माननीय श्री राम दत्त चक्रधर, सदभावना के अखिल भारतीय सह- प्रमुख श्री गोपाल प्रसाद महापात्र, विद्या भारती पूर्व क्षेत्र के पदाधिकारीवर्ग का भी इस वर्ग मे मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस वर्ग मे विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महन्त, सह-संगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर उद्घाटन सत्र में रहे एवं उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। वर्ग के समापन मे विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री माननीय श्री अवनीश भटनागर का पाथेय मिला।

वर्ग में सिक्किम, उत्तर बंग, दक्षिण बंग एवं ओडीसा प्रान्त के 60 पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र, प्रान्त के संगठन मंत्री पूर्ण समय उपस्थित थे।

विद्या भारती अखिल भारतीय खेल समीक्षा बैठक

माउंट आबू (जोधपुर) | दिनांक 21 व 22 फरवरी 2024 को अखिल भारतीय खेलकूद समीक्षा बैठक शंकर विद्या पीठ माउंट आबू, राजस्थान में सम्पन्न हुई।

बैठक में श्री श्रीराम आरावकर अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री, श्री हेमचंद्र क्षेत्रीय संगठन मंत्री, पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र, श्री राजेन्द्र सिंह अध्यक्ष खेल परिषद्, श्री मुखतेज सिंह बंदेशा संयोजक विद्या भारती खेल परिषद् तथा क्षेत्रीय खेल प्रमुख/सह खेल प्रमुख कुल 19 प्रतिभागी उपस्थित हुए।

बैठक में सत्र 2023-24 में सम्पन्न अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा SGFI प्रतियोगिताओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में समीक्षा के साथ सत्र 2024-25 की अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं की योजना भी की गई तथा प्रतियोगिताओं के संचालन हेतु निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

- सत्र 2024-25 से अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में भोजन शुल्क प्रतिदिन 300/- होगा।
- प्रांत प्रमुखों की अखिल भारतीय कार्यशाला 8 से 10 जून 2024 को अमरकंटक में आयोजित की जायेगी।
- सत्र 2024-25 में चार खेलों में क्षेत्र स्तर पर अनिवार्यता प्रशिक्षण किया जाना तय हुआ। ये खेल है- खो-खो, कबड्डी, हैण्डबॉल, वॉलीबाल। ये चयन 17 वर्ष छात्रों में किया जायेगा। चयन उपरांत अखिल भारतीय प्रतियोगिता तथा SGFI प्रतियोगिता के पूर्व अनिवार्यतः प्रशिक्षण वर्ग लगाया जायेगा।
- NADA (नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी) से चर्चा करके प्रांतो के प्रमुख खेल शिक्षकों का एंटी डोपिंग शिक्षा पर ऑनलाईन प्रशिक्षण किया जायेगा।
- हैण्डबॉल तथा एथलेटिक्स की एसटीओ परीक्षा आयोजित की जायेगी।
- क्षेत्रों को 4 समूहों में बांट कर प्रात योग प्रमुखों को योगासन प्रतियोगिता हेतु आनलाईन प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- सत्र 2024-25 की अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु क्षेत्र तथा स्थान तय किये गये।
- अखिल भारतीय खेलकूद समारोह (एथलेटिक्स) 23 अक्टूबर सायं से 27 अक्टूबर सायं तक सतना, मध्यक्षेत्र में आयोजित होगा।

शांति मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

विद्वत परिषद प्रांतीय संगोष्ठी, जयपुर

जयपुर | 10 फरवरी 2024 | जयपुर के जवाहर नगर में विद्वत परिषद प्रांतीय संगोष्ठी का किया गया आयोजन हुआ। संगोष्ठी में विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजस्थान क्षेत्र श्री भरत रामकुमार, सह संगठन मंत्री श्री गोविंद कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे, इस दौरान शिक्षा नीति को लेकर की गई चर्चा।

श्री शैलेन्द्र शर्मा प्रान्त मंत्री ने स्वागत उद्बोधन में शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विद्वतपरिषद के संयोजक डॉ. बी. के. गुप्ता ने प्रस्तावना में शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षण संस्थानों में विगत काल खण्ड में गिरावट को दूर करने के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा एवं नवीन शिक्षा पद्धति का समन्वय आवश्यक है। राजस्थान क्षेत्र के विद्या भारती के सह संगठन मंत्री श्री गोविन्द द्वारा विद्वत परिषद की अवधारणा प्रस्तुत की गई जिसमें भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों को नई पीढी तक पहुचाना है।

विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने भारतीय शिक्षा की परिकल्पना, गुरूकुल की अवधारणा, अधिगम प्रणाली द्वारा शिक्षा व्यक्ति के संर्वागीण एवं समग्र विकास आवश्यक है जिसके द्वारा राष्ट्र एवं विश्व की प्रगति सम्भव है। श्री भटनागर ने भारतीय ज्ञान परम्परा को जीवित रखने के लिए सीखना एवं सीखना पद्धति पर बल दिया। उनके द्वारा व्यक्ति से समष्टि की ओर विकास के लिए दायित्व बोध एवं गौरव बोध अनिवार्य है।

प्रो. संतोष आनन्द ने भारतीय ज्ञान परम्परा में आचार्य की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आचार्य युग परिवर्तन का स्त्रोतदार है ...

आगे पढ़ें...

आचार्य विद्यार्थियों को आचार, शस्त्रों के अर्थ ग्रहण कराता है व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज एवं व्यवस्था परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण घटक है। प्रो. बी.एल.नाटिया ने भारतीय ज्ञान परम्परा में शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर बल देते हुए सस्थांन ज्ञान परम्परा के वाहक है।

प्रो. भरत राम कुम्हार के द्वारा जो आचरण सिखाता है, वही आचार्य है। शिक्षण संस्थाएँ संस्कारित मानव निर्मित करने वाली होनी चाहिए।

श्री शिवप्रसाद संगठन मंत्री विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र ने भारतीय ज्ञान परम्परा की सामाजिक उपादेयता एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश को समझाया। ज्ञान का तात्पर्य करणीय एवं अकरणीय कर्म का अभिज्ञान होना है ज्ञान मार्ग पर चलने को जीवन दर्शन है। जीवन दर्शन एवं शिक्षण दर्शन सामेय है। भारतीय ज्ञान परम्परा को अस्तित्व सामाजिक उपादेयता के बिना कुछ नहीं है। इसमें सर्वहित एवं सर्वकल्याण का भाव है। संगोष्ठी में जयपुर प्रान्त के 81 शिक्षाविदो ने भाग लिया। विद्या भारती संस्थान जयपुर के अध्यक्ष डॉ. विजय गोयल द्वारा आभार ज्ञापन किया गया।

विमर्श विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

भारत 'स्व' पर आधारित देश रहा है - शिवप्रसाद

जोधपुर | विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर प्रान्त द्वारा विमर्श विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला प्रान्तीय कार्यालय श्रुतम् में आयोजित हुई। राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री शिवप्रसाद ने कहा कि भारत पुरातन, प्राचीन राष्ट्र है, विश्व का नैतृत्व किया, भारत विश्व गुरु, सोने की चिड़िया था। दुनिया में लोग सामान्य व्यवहार नहीं जानते थे उस समय भारतीय वैभवशाली थे। लुटेरे लुटने आए, नष्ट करने के प्रयास हुए। भारत 'स्व' पर आधारित देश रहा है, उसको तोड़ने के प्रयास हुए। जोधपुर प्रान्त के संगठन मंत्री रवि कुमार ने बताया कि हमें करणीय कार्य में धैर्य पूर्वक, एकाग्रचित होकर काम करना चाहिए। 1. राष्ट्रीय शिक्षा पर विचार का प्रचार-प्रसार करना। 2. भारतीय शिक्षा का विमर्श स्थापित करना। 3. कार्य/उपलब्धि/प्रभाव को मीडिया से समाज में ले जाना। विद्या भारती प्रचार विभाग से सम्पर्क रखना।

कार्यशाला में प्रांतीय मंत्री श्री मोहन जोशी प्रचार प्रमुख ओमप्रकाश गौड जोधपुर प्रान्त के सचिव श्री महेन्द्र दवे, प्रान्तीय प्रचार टोली के सदस्य, प्रत्येक जिले से प्रचार प्रमुख, समिति, पूर्व आचार्य, पूर्व छात्र एवं जोधपुर महानगर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य प्रवर्तक समिति, भारतीय विद्या पीठम, परसाला, त्रिवेन्द्रम जिले (केरल) में कार्यकर्ताओं से चर्चा, छात्र शक्ति वृद्धि, कार्यविभाग वार्षिक योजना, गुणात्मक विकास आदि प्रदेश कार्यकर्ता, प्रदेश विषय प्रमुख, जिला सचिव, जिला संयोजक ने भाग लिया।

वार्षिक साधारण सभा एवं योजना बैठक 2024

दक्षिण बंग | दक्षिण बंग के पश्चिम मेदिनीपुर गोपाली आश्रम, स्थित सरस्वती शिशु मन्दिर में 29 फरवरी से 1 मार्च तक वार्षिक योजना बैठक एवं 2 और 3 मार्च 2024 को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की क्षेत्रीय समिति "विद्या भारती पूर्व क्षेत्र" की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई। इस बैठक मे सिक्किम, उत्तर बंग, दक्षिण बंग, ओडिशा एवं अन्दमान-निकोबार प्रान्त के पदाधिकारी, क्षेत्रीय विषय प्रमुख, सह- प्रमुख, कार्यकर्ता उपस्थित रहकर कार्य का समीक्षा, चिन्तन-मन्थन एवं आगामी योजना बनाया गया। विद्या भारती का कार्य भारत केंद्रित शिक्षा, गुणात्मक संस्कारयुक्त शिक्षा, भारतीय ज्ञान परम्परा, देशभक्त नागरिक निर्माण के कार्य में सतत प्रयास से कार्य पर विशेष चर्चा हुई। समाज के सहयोग, मार्गदर्शन एवं सज्जन शक्ति को साथ लेकर देश भर में विद्या भारती शिक्षा का आदर्श स्थापना करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण से लेकर नीचे विद्यालय तक क्रियान्वयन के लिए हर प्रकार कार्य को विकसित करना, संगठन को बनाना, उसका उद्देश्य एवं करणीय कार्य बैठक में बताई गई।

इस बैठक में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चन्द्र महन्त द्वारा विविध शैक्षिक, संगठनात्मक कार्य, कार्यकर्ता का विकास, कार्य का विस्तार-विकास आदि विषयों मे चर्चा करते हुए मार्गदर्शन किया।

बैठक के अध्यक्ष डा. लक्ष्मीकांत महाराणा रहे थे साथ ही क्षेत्र के मंत्री डा. सरोज कुमार हाती ने बैठक का संचालन, वर्ष 2023 का प्रतिवेदन, श्रद्धांजलि पाठ प्रस्तुत किया। विद्या भारती पूर्व क्षेत्र का क्षेत्रीय समिति का 3 वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर इस साधारण सभा में पुन: आगामी 3 वर्ष के लिए पूर्व क्षेत्र का नया समिति गठन किया गया।

विद्या भारती पूर्व क्षेत्र का नव गठित समिति विवरण -

- अध्यक्ष-श्री गोपाल चन्द हालदार
- उपाध्यक्ष- श्री विश्वनाथ गराय
- मंत्री- डा, लक्ष्मीकांत महाराणा
- सह-मंत्री-श्री हेमंत कुमार पाणीग्राही
- कोषाध्यक्ष-श्री रवीन्द्र कुमार शामल
- संगठन मंत्री-श्री दिवाकर घोष
- सह-संगठन मंत्री- श्री पार्थ घोष
- सदस्य- श्रीमती प्रभाती साहू

- सुश्री संचिता कवि
- सुश्री पवित्रा दाहाल
- श्री छुलटिम भोटिया
- डा. सरोज कुमार हाती

उक्त साधारण सभा में पूर्व क्षेत्र के विशेष आमंत्रित संगठन मंत्री श्री दिवाकर घोष, सह-संगठन मंत्री श्री पार्थ घोष, विद्या भारती के अखिल भारतीय प्रशिक्षण संयोजक श्री अशोक कु. पण्डा, वैदिक गणित के अखिल भारतीय सह संयोजक श्री प्रसन्न कुमार साहु, एवं प्रारम्भिक शिक्षा के अखिल भारतीय संयोजक श्री खगेश्वर दास उपस्थित थे।

विश्व पुस्तक मेला

विश्व पुस्तक मेला,नई दिल्ली में विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की बुक स्टॉल

विश्व पुस्तक मेला
प्रगति मैदान
हॉल नंबर 1
स्टॉल नं.Q-07

विद्या भारती के गौरव

सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र मयंक सारस्वत ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लहराया परचम

अलीगढ़ | विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, गोंडा मोड़ खैर रोड के छात्र मयंक सारस्वत, ललित उपाध्याय, आकाश सिंह और फतीश का चयन राज्य स्तर पर बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए 12 मे 15 फरवरी को महामाया स्पोर्ट स्टेडियम, अलीगढ़ में हुआ, जिसमें छात्र मयंक मारस्वत ने 125 बॉक्सरों के साथ कड़ी स्पर्धा को पार कर स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान निर्धारित कर लिया है।

सर्वहितकारी विद्या मंदिर धुरा, पंजाब की पूर्व छात्रा हर्षदीप कौर ने न्यायपालिका परीक्षा उत्तीर्ण कर जज के रुप में चयनित।

श्री ताराचंद सर्वहितकारी विद्या मंदिर भिक्खी, पंजाब की पूर्व छात्रा प्रिया रानी का केंद्र सरकार में राजपत्रित अधिकारी के रुप में चयनित।

श्री ताराचंद सर्वहितकारी विद्या मंदिर भिक्खी, पंजाब की पूर्व छात्रा प्रिया सिंगला का राज्य सरकार में वित्त अधिकारी के रुप में चयनित।

सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के प्रांतीय सचिव श्री नरेंद्र कोष्टी को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य के पद पर चयनित।

विद्या भारती के गौरव

व्यास विद्या पीठ कल्लेक्कड़ पलक्कड़ की छात्रा 5वीं kapa एमएस केरल बॉडी बिल्डिंग- फिजिक चैंपियनशिप 2024 पाला कोट्टायम में अपर्णा के.एस बनी एमएस केरल(महिला फिटनेस) दूसरे स्थान पर विजेता।

विद्या भारती के सरस्वती शिशु मंदिर अकलतरा (2020 -21 बैच) के पूर्व छात्र चिराग सिंह वायु सेना के लिए चयनित।

श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उचाना कलां (जींद) कुरुक्षेत्र के छात्र साहिल ने KHELO INDIA के अंडर-17 कुश्ती में प्रथम पदक प्राप्त किया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,